भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या †1382

जिसका उत्तर सोमवार, 9 फरवरी, 2026/20 माघ, 1947 (शक) को दिया गया

दिल्ली में शहरी सहकारी बैंक

†1382. श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) शहरी सहकारी बैंक किस प्रकार लघु व्यापारियों, मध्यम वर्ग, स्थानीय उद्यमियों तया स्वरोज़गार से जुड़े व्यक्तियों के उत्थान के साधन के रूप में कार्य कर रहे हैं;

(ख) क्या सरकार की दो लाख से अधिक आबादी वाले सभी शहरों में शहरी सहकारी बैंक खोलने की कोई योजना है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी विवरण क्या है;

(घ) क्या इस योजना के अंतर्गत दिल्ली में भी शहरी सहकारी बैंक खोले जाने का प्रस्ताव है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी विवरण क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): शहरी सहकारी बैंक (यूसीबी) सहकारी सिद्धांतों और लागू विनियामक ढांचे के अनुसार छोटे व्यापारियों, मध्यम वर्ग, स्थानीय उद्यमियों और स्व-नियोजित लोगों को ऋण और अन्य सुविधाएं प्रदान करके बैंकिंग इकोसिस्टम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(ख) से (ङ): भारत सरकार के पास इस तरह का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। हालांकि, आरबीआई ने संबंधित हितधारकों से टिप्पणियों/प्रतिक्रिया के लिए 13 जनवरी, 2026 को नए यूसीबी लाइसेंसिंग पर एक चर्चा पत्र प्रकाशित किया है।

नई दिल्ली के सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली में कुल 14 शहरी सहकारी बैंक कार्य कर रहे हैं जो दिल्ली सहकारी समिति अधिनियम, 2003 के अंतर्गत पंजीकृत हैं।

*****